

कार्यकारी सारांश

महाराष्ट्र राज्य वीजनिर्मिती कंपनी मर्यादित (महानिर्मिती) यांच्याकडून आर्थिक वर्ष २००७-०८ ते आर्थिक वर्ष २००९-१० या पहिल्या नियंत्रण कालावधीसाठी सदरची बहुवर्षीय वीज दर याचिका सादर करण्यात येत आहे. आर्थिक वर्ष २००५-०६ मधील प्रत्यक्ष खर्च, सप्टेंबर २००६ पर्यंत झालेला खर्च, आर्थिक वर्ष २००६-०७ च्या उर्वरित कालावधीसाठी अनुमानित केलेला खर्च आणि नियंत्रण कालावधीकरिता (वर्ष २००७-०८ ते २००९-१०) अंदाजित केलेला खर्च यांवर सदर याचिका आधारित आहे. महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोगाचे (वीजदराच्या अटी व शर्ती) विनियम, २००५ यांमध्ये निर्धारित केलेल्या तत्वांच्या आधारे ही याचिका दाखल केलेली आहे. आयोगाच्या या विनियमांस यापुढे 'विनियम' किंवा 'वीजदर विनियम' असे संबोधले आहे.

याचिकाकर्त्यांचे (म्हणजे, महानिर्मिती यांचे) ५ जून २००५ ते ३१ मार्च २००६ पर्यंतचे हिशेब लेखापरीक्षित करून त्यांना अंतिम रूप देण्यात आलेले आहे आणि त्यास अनुसरून वर्ष २००५-०६च्या प्रत्यक्ष खर्चास मंजूरी (trued-up) द्यावी अशी महानिर्मिती यांनी आयोगास प्रस्तुत याचिकेद्वारे विनंती केली आहे. तसेच, वीजनिर्मिती केंद्राची कामगिरीची नियंत्रण कालावधीतील मानके विचारात घेताना त्या केंद्राची एप्रिल ते सप्टेंबर २००६ या कालावधीची प्रत्यक्ष कामगिरी याचिकेतील तपशिलानुसार लक्षात घ्यावी.

विद्युत कायदा, २००३ याचे कलम १३१ (५) (जी) यामध्ये अधिसूचित केलेल्या, ६ जून २००५ रोजीच्या तात्पुरत्या हस्तांतरण योजनेस अद्याप अंतिम रूप देण्यात आलेले नाही याकडे आयोगाचे लक्ष वेधण्यात येत आहे. सदर योजनेस अंतिम स्वरूप देणे प्रलंबित असल्याच्या कारणास्तव मालमतेच्या बाबतीत, उक्त कायद्याचे कलम १३१ (२) यातील पहिल्या परंतुकानुसार, संभाव्य महसुलावर आधारित असलेल्या तिच्या हस्तांतरीत मूल्यात बदल होऊ शकतो. अशा प्रसंगी, महानिर्मितीचा फायदा व महसूल यांवर आघात करू शकणाऱ्या कोणत्याही आदेशाचे पुनर्विलोकन करावे म्हणून याचिकाकर्त्यांस आयोगाकडे धाव घ्यावी लागेल.

याचिकेमध्ये कामगिरीची प्राचले (पॅरामीटर्स) आणि खर्चाची मूलतत्वे यथायोग्य विशद केलेली आहेत. खर्चाचे अंदाज वीजदर विनियमांतील तत्वांनुसार तयार केले आहेत. विनियमांतील प्रमाणकांपासूनच्या कोणत्याही विचलनांचे याचिकेत निरनिराळ्या ठिकाणी तार्किक युक्तिवादाने समर्थन केलेले आहे.

वीजदर याचिकेत प्रस्तावित केल्याप्रमाणे आर्थिक वर्ष २००७-०८ ते २००९-१० मधील खर्चाचे अंदाज पुढीलप्रमाणे आहेत :-

स्थिर आकार :- स्थिर आकार म्हणजे, प्रत्यक्षातील वीजनिर्मिती लक्षात न घेता, प्रमाणक पध्दतीनुसार विद्युत केंद्राच्या उपलब्धतेच्या आधारे वीजनिर्मिती कंपनीस द्यावयाचे करारबद्ध क्षमता आकार. प्रत्येक विद्युत केंद्रनिहाय वार्षिक स्थिर आकार पुढील तक्त्यात नमूद आहेत व ते वार्षिक आकाराच्या १/१२ प्रमाणे प्रत्येक मासिक बिलाद्वारे वसूल करण्याचे प्रस्तावित आहे.

महानिर्मिती यांचे वार्षिक स्थिर आकाराचे अंदाज

(रु.कोटीत)

| | २००५-०६ | २००६-०७ | २००७-०८ | २००८-०९ | २००९-१० |
|------------------------------|------------------|----------------|---------|---------|---------|
| औष्णिक विद्युत केंद्र | प्रत्यक्ष | अंदाजित | | | |
| भुसावळ | १०५.३५ | ११८.३४ | १६३.३३ | १८५.३७ | १५८.१९ |
| चंद्रपूर | ४०९.५१ | ५३७.६३ | ५७६.८३ | ६२२.९५ | ६४४.८३ |
| नाशिक | १८५.१३ | २०६.०६ | २१९.७० | २५७.५५ | ३१४.२६ |
| कोराडी | २४९.५९ | २८०.१६ | २९२.०६ | ३०७.०७ | ३४१.५९ |
| पारस | २२.५३ | २५.८५ | २८.१२ | २९.७१ | ३१.३७ |
| परळी | १४७.५४ | १६०.६१ | १७२.०१ | १९१.४२ | २२२.३५ |
| उरण | १५७.६७ | १५०.६२ | १३८.७८ | १३८.६१ | १७३.५२ |
| खापरखेडा | ३९०.९३ | ४२४.६८ | ४२८.८८ | ३९९.०६ | ३९६.९३ |
| जलविद्युत केंद्र | प्रत्यक्ष | अंदाजित | | | |
| कोयना | १११.७३ | १९३.४४ | २०५.४७ | २०९.२६ | २१३.५३ |
| भिरा | ५.१७ | ८.४२ | ८.७४ | ९.०४ | ९.३६ |
| वैतरणा | ६.७४ | ५.३७ | ५.६० | ५.८२ | ६.०६ |
| तिल्लारी | ८.४२ | ८.७४ | ९.०० | ९.२० | ९.२५ |
| लघु जलविद्युत प्रकल्प | — | — | १०२.२५ | १०२.२५ | १०२.२५ |

ऊर्जा आकार :- या आकारांत, वीजनिर्मितीसाठी वापरलेल्या इंधनावरील खर्चाचा प्रामुख्याने समावेश आहे. आणि वितरण कंपनी/ग्राहक यांना विक्री केलेल्या निव्वळ वीजनिर्मितीच्या प्रमाणात त्याची थेट आकारणी करण्यात येते. वीजनिर्मितीच्या परिणामावर (क्वांटिटी) हा आकार अवलंबून असल्यामुळे निव्वळ वीजनिर्मितीच्या प्रत्येक युनिटमागे तो वसूल करावा, असा प्रस्ताव आहे. निरनिराळ्या विद्युत केंद्रासाठी नियंत्रण कालावधीकरिता प्रस्तावित केलेले ऊर्जा आकार पुढे दिल्याप्रमाणे आहेत :-

महानिर्मिती यांचे ऊर्जा आकाराचे अंदाज

(रु.प्रती युनिट)

| | २००५-०६ | २००६-०७ | २००७-०८ | २००८-०९ | २००९-१० |
|----------|---------|---------|---------|---------|---------|
| भुसावळ | १.५८ | १.६५ | १.७९ | १.८८ | १.९६ |
| चंद्रपूर | १.०२ | १.१४ | १.१८ | १.२३ | १.२८ |
| नाशिक | १.७३ | १.८३ | १.९८ | २.१० | २.१६ |
| कोराडी | १.१६ | १.३७ | १.४५ | १.५१ | १.५७ |
| पारस | १.५१ | १.६३ | १.६७ | १.७४ | १.८१ |
| परळी | १.५९ | १.६२ | १.७९ | १.८७ | १.९८ |
| उरण | ०.८३ | ०.८४ | ०.८४ | ०.८३ | ०.८४ |
| खापरखेडा | १.२० | १.२० | १.३३ | १.३९ | १.४५ |

तदनुसृत, नरनरररळर वीऑनरनरती केंदुररतील तुरत रुनरत वीऑनरनरतीऑर ँकूण खरुऑ तुढीलतुररणे :-

तहरनरनरती ररंऑे ँकूण खरुऑरंऑे अंदरऑ

(रु.तुरत रुनरत)

| | २००ॡ-०६ | २००६-०७ | २००७-०ॢ | २००ॢ-०ॡ | २००ॡ-१० |
|---------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| तुसरवल | १.१३ | २.०६ | २.३६ | २.६२ | २.ॡ१ |
| ऑंदुरतूर | १.३ॡ | १.६० | १.ॡ७ | १.६ॡ | १.७२ |
| नरशरक | २.०ॢ | २.२० | २.ॡ० | २.६३ | २.७ॡ |
| कूररडी | १.ॡॢ | १.ॢॡ | १.१३ | २.०३ | २.१७ |
| तूरस | २.०२ | २.३३ | २.ॡ७ | २.६७ | २.७१ |
| तूरळी | १.१० | १.११ | २.२० | २.३३ | २.ॡ७ |
| उरण | १०२६ | १.२ॡ | १.२२ | १.२१ | १.३० |
| खरतुरखेडर | १.१ॡ | १.१६ | २.१० | २.१२ | २.१ॢ |
| कूररनर | ०.२ॡ | ०.ॡॡ | ०.६६ | ०.६७ | ०.६ॢ |
| तुररर | ०.ॡ२ | ०.ॢॡ | १.२ॡ | १.२१ | १.३ॡ |
| वैतरणर | ०.ॡ० | ०.३० | ०.ॡॡ | ०.ॡ७ | ०.ॡ१ |
| तलररी | ०.ॡ६ | ०.ॡॢ | १.१३ | १.१६ | १.१६ |
| लघु ऑलवलदुत तुरकलुत | — | — | ३.०० | ३.०० | ३.०० |

तहरनरनरती ररंनर ररऑरकेंतुधुे तुरलुेक वरदुत केंदुर नरहरर ँकूण तहरसुलरऑी अरवशुतकरतर ततशीलवर नतूद केली असून तलऑर सरररंश तुढीलतुररणे अरहे.

तहरनरनरती ररंऑुऑर वरदुतत वीऑनरनरती केंदुररऑी ँकूण तहरसुली अरवशुतकरतर^१

| अ.कुर. | ततशील | २००ॡ-०६ ^१ | २००६-०७ | २००७-०ॢ | २००ॢ-०ॡ | २००ॡ-१० |
|--------|--|----------------------|---------|---------|---------|---------|
| १. | तुरडेतुडी अरकर/इंधनसंऑंधीत खरुऑ | ॡ११ॡ.७६ | ॡॡ०१.ॡॡ | ६१११.६३ | ६२०७.ॡ६ | ६ॡ१६.१० |
| २. | संऑरलन व सुवुतुवसुथर वरषतक खरुऑ ^३ | ७ॡ६.२ॡ | १०ॡ१.२६ | १०ॡ७.ॡॢ | ११२१.०ॡ | ११ॢॢ.३० |
| २.१. | करुतऑररुऑररील खरुऑ | ॡ०१.ॡ६ | ३१७.३७ | ॡ२१.२१ | ॡॡ६.ॡॢ | ॡ७३.२७ |
| २.२. | तुरशरसनरक व सरुवसरधरण खरुऑ | २ॡ.ॡ२ | ३ॡ.०७ | ३६.११ | ३ॢ.२ॢ | ॡ०.ॡ७ |
| २.३. | दुरुसुती व देरुतुरर वरषतक खरुऑ | ३३०.१ॢ | ॡ१०.०ॡ | ॡ७३.३० | ॡ०१.७० | ॡ३१.ॢ० |
| ३. | घसरर (घसररुऑरसरठीऑुऑर अतुरततसहरत) | ॡ३१.ॡ२ | ३ॡ६.१० | ३७१.ॢ० | ३ॡ७.३ॡ | ३७ॢ.ॡ३ |
| ॡ. | वुऑरऑरसरठी खरुऑ | ११०.६१ | १६.६७ | १३२.०ॡ | २०२.२३ | २ॡ७.ॡॡ |
| ॡ. | खेळतुऑर तुरंडवलररील वुऑर | १ॢ२.२ॡ | २०ॢ.१२ | २ॡ७.७७ | २ॡ०.३३ | २६३.७३ |
| ६. | इतर खरुऑ | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० | ०.०० |

| अ.क्र. | तपशील | २००५-०६ | २००६-०७ | २००७-०८ | २००८-०९ | २००९-१० |
|--------|--------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| ७. | आयकर* | ५७.३० | ४५.१२ | ५९.४२ | ८५.३४ | ११९.९७ |
| ८. | कर्मचाऱ्यांना प्रोत्साहन | ०.०० | ०.०० | २०.०० | २०.०० | २०.०० |
| ९. | एकूण महसुली खर्च | ६७९४.५७ | ७२४७.५१ | ८००८.२४ | ८२३३.८३ | ८७१४.९८ |
| १०. | भाग भांडवलावरील परतावा* | १५९.०० | ४०२.१४ | ५२९.६२ | ७६०.५९ | १०६९.२३ |
| ११. | एकूण महसुली आवश्यकता | ६९५३.५७ | ७६४९.६५ | ८५३७.८६ | ८९९४.४२ | ९७८४.२१ |
| १२. | वजा : वीजदराव्यतिरिक्त उत्पन्न | २९.४३ | ४४.५६ | ४०.२२ | २७.४३ | २८.४३ |
| १३. | एकूण महसुली आवश्यकता | ६९२४.१४ | ७६०५.०९ | ८४९७.६३ | ८९६६.९९ | ९७५५.७७ |

* नविन विस्तारित प्रकल्पांतील भाग भांडवल गुंतवणूक व त्यावरील व्याज विचारात घेऊन.

१. लघु जलविद्युत केंद्रांची महसुली आवश्यकता (नियंत्रण कालावधीसाठी दर वर्षी रु. १०२.२५ कोटी) समाविष्ट नाही आणि पंप स्टोरेज प्रकारातील जलविद्युत केंद्रांची महसुली आवश्यकतेची याचिका स्वतंत्रपणे दाखल केली जाईल.
२. वार्षिक महसुली आवश्यकतेची परिगणना वीजदर विनियमांवर आधारित आहे. हिशोबाच्या आधारे नाही.
३. सं. व सुं. विषयक खर्च (१ एप्रिल ०५ पासून ५ जून ०५ पर्यंतचा मर्यादित कालावधीचा पुनर्विलोकित हिशोब आणि ६ जून ०५ पासून ३१ मार्च ०६ पर्यंतचा लेखापरीक्षित हिशोब यानुसार) रु.८१९.२८ कोटी, असा आहे. हा खर्च मर्यादित कालावधीच्या पुनर्विलोकन हिशोबाचे संकलन करताना महानिर्मिती यांच्या खाती विनियोजन, विल्हेवार वाटप म्हणून केला आहे.

याप्रमाणे, महानिर्मिती यांची एकूण महसूली आवश्यकता रु.६९२४.१४ कोटी (आर्थिक वर्ष २००५-०६) वरून रु.७६०५.०९ कोटीवर (आर्थिक वर्ष २००६-०७) जाईल आणि नियंत्रण कालावधीच्या (म्हणजे, आर्थिक वर्ष २००९-१० च्या) अखेरीस ती रु.९७५५.७७ कोटी होईल असा अंदाज आहे.

आर्थिक वर्ष २००६-०७ मध्ये खालील वीजनिर्मिती प्रकल्प कार्यान्वित होतील याची नोंद घेण्यात यावी :-

- परळी औ.वि.केंद्र प्रकल्प : २५० मे.वॉ.क्षमतेच्या एक संच.
- पारस औ.वि.केंद्र विस्तार प्रकल्प : २५० मे.वॉ.क्षमतेच्या एक संच.

वरील संयंत्रे आर्थिक वर्ष २००६-०७ च्या अखेरीस कार्यान्वित होतील अशी आशा महानिर्मिती यांनी प्रस्तुत याचिकेत व्यक्त केली आहे. त्यानुसार, या दोन प्रकल्पांसाठी आयोगाने तत्त्वतः मंजूर केलेला वीजदर विचारात घेऊन आर्थिक वर्ष २००६-०७ करिताच्या एकूण महसूली आवश्यकतेचा मेळ घालणे आवश्यक आहे.

त्याचप्रमाणे, नियंत्रण कालावधी अखेरीस खालील संयंत्रे कार्यान्वित करण्याचे उद्दिष्ट दृष्टीसमोर ठेवले आहे :-

१. नवीन परळी औ.वि.केंद्र संच २ : २५० मे.वॉ. चा एक संच
२. पारस औ.वि.केंद्र विस्तार प्रकल्प संच २ : २५० मे.वॉ. चा एक संच
३. खापरखेडा औ.वि. विस्तार प्रकल्प : ५०० मे.वॉ. चा एक संच
४. घाटघर पण्ड स्टोरेज संयंत्र

वर नमूद केलेल्या प्रकल्पांच्या बाबतीत, त्यांच्या कार्यान्वयनापूर्वी वीजदर विनियमांत विहित केलेल्या स्थिर व ऊर्जा आकाराच्या प्रमाणपध्दतीनुसारच्या पातळ्या आणि याचिकेत गृहीत धरलेले चढत्या दरांतील उचित बदल यांच्या आधारे महानिर्मिती यांच्याकडून सदर प्रकल्पांसाठी वीजदरांच्या तत्त्वतः मंजूरीची मागणी केली जाईल. या वीजनिर्मिती संच / केंद्रे यांच्याशी संबंधित लेखापरिक्षित हिशेब पक्के केल्यानंतर, त्यांच्या वार्षिक कामगिरीचे पुनर्विलोकन करतेवेळी त्यांच्या वीजदराची बरोबर मांडणी करून (trueed-up) मंजूरीसाठी महानिर्मिती हे याचिका दाखल करतील

प्रार्थना :

सन्माननीय आयोगास विनंती आहे की :

- क) एकूण महसूली आवश्यकतेचा तपशील आणि वीजदर संबंधित याचिका सादर करण्यास झालेला विलंब कृपया क्षमापित करावा आणि ही याचिका स्वीकृत करून तीवर सत्वर कार्यवाही करावी.
- ख) याचिकेतील सादरीकरण आणि कारणमीमांसा यांच्या अनुसार महानिर्मिती यांच्या एकूण महसूली आवश्यकतेस कृपया मंजूरी द्यावी.
- ग) याचिकेतील सादरीकरण आणि कारणमीमांसा यांच्या अनुसार वीजनिर्मिती केंद्रासाठी प्रस्तावीत केलेल्या - वीजनिर्मिती केंद्रनिहाय वीजदरांस कृपया मंजूरी द्यावी.